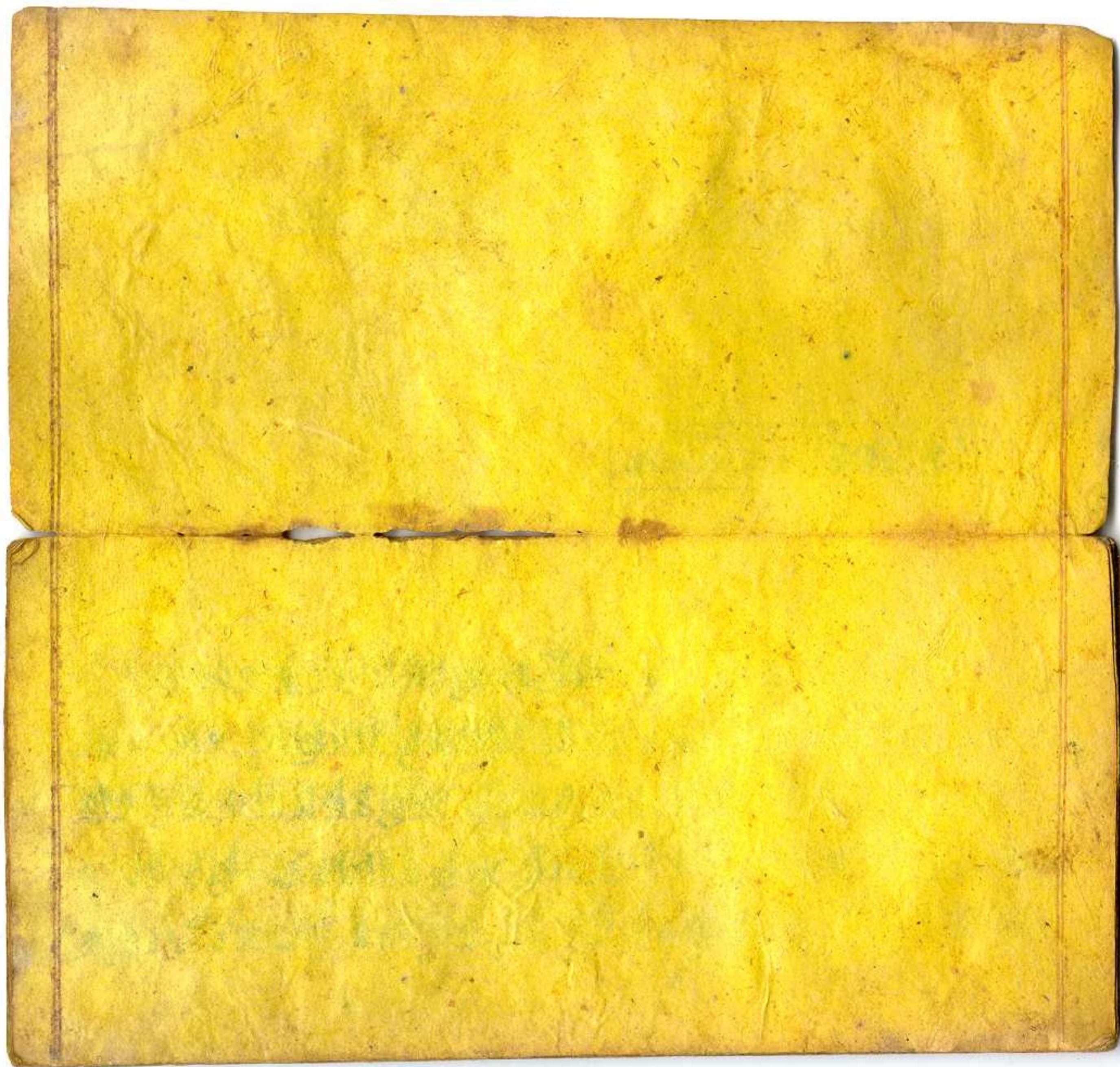


अशा भंडारणी
ASHA ARCHIVES

3053

१०९ वसुधैव कुटुम्बकम्



ॐ नमः॥ उलूगल्लिखन नमः॥ ॐ नमः॥ ॐ श्रीं वदकदिव्यरुनवान
नमः॥ अथ पूजा॥ य ध ^{या ल वा य} ~~ली~~ ष त॥ सी धा क र्मा क्क उ ना स न॥ य द्मा स न
॥ मू ध नि॥ मो ह न मू द्रा॥ ष च्च द श ल॥ ॥ दि ग वं द॥ ॥ श्री श्री दि
त्य ती॥ मो ह न॥ मू द्रा॥ ॥ ष च्च द श ल॥ ॥ दि ग वं द॥ ॥ श्री श्री दिव्य
॥ गूल्ले नमः॥ ॥ य ~~य~~ ॥ ॥ नै श्री ग न या नमः॥ ॥ श्री ग न॥ ॥ यँ यँ माः

[illegible]

ॐ यं स्वाहा सि वाङ्ग नमः ॥ १५

~~ॐ यं स्वाहा सि वाङ्ग नमः ॥ १५~~

हा ॥ ॐ श्रीं यस्को र्णो नमः ॥ देवी तजी ते र्णो नमः ॥ ॐ वें मद्य अमा र्णो नमः ॥
ॐ दे मना मि का र्णो नमः ॥ ॐ को के नि र्णो नमः ॥ ॐ यं स्वाहा का न त च कु ना
र्णो नमः ॥ क तां ग ॥ ॐ दू दं य नमः ॥ देवी सि न सि नमः ॥ ॐ मि षा यं वो ष न ॥ ॐ दू
क व वा दं मा ॥ ॐ को क रु र्णो नमः ॥ ॐ यं स्वाहा ॥ सि वाङ्ग नमः ॥ ॥ श्री वा रु
न ॥ ॥ न रि ॥ च के वा पा उ ॥ श्री कृ त स्वा न त य ॥ ग म य रि उ य ॥ न य ॥ ॥

॥ ॥ ॐ देवी वरु क क र्व ग द्य ठ च क्क उ म उ ट ० उ रु ल त थ द ध न आ प
द द्वा त ल क रू क रू वि द्वा ह य रु व रु म य त ल व ग य ~~म~~ हि न हा सो हं
हं कृ य वा द या न ॥ ॥ ११ ॥ ॥ ध व ॥ न त उ पां देवी वरु का य स्वा हा ॥ धा न
कृ प ऊ या ॥ ॥ पू न ॥ रि त व र्ण ॥ ॥ ॐ को म य स्को र्णो नमः ॥ ॥ सु ॥ दि
म ना वि का र्णो नमः ॥ ॥ ॐ दे म द्य मा र्णो नमः ॥ ॥ ॐ के नि र्णो नमः ॥ ॥ देवी

नमः ॥ ॐ ॥ कौं क ॐ गौं क नं ग न्यास ॥ ॥ कौं क नं ग न्यास ॥ ॥ हृद
याय नमः ॥ ॥ हृदयादि न्यास ॥ ॥ ॐ कौं कौं गित सिखा हा ॥ ॥ दं गि
षा नकोषट् ॥ ॥ कौं कौं चाय वोषट् ॥ यो कौं स्वाहा ॥ ॥ कौं न्यास ॥ ॥ नमः
॥ ॥ कौं सवाग्धनमः स्वाहा ॥ ॥ ॐ ॥ आ स न ॥ आ वा नादि ॥ यूर्यास
नाय नमः ॥ म ॐ स नाय नमः ॥ अथ ध्यान ॥ ध्यान न कृत्वा पु व श्वाः

मि न वं धा सा क य न न ॥ ॐ हृ सु टि क सं का र्ण स ह सा दि त्वा व र्च सः
नी ल जी मू त सं का र्ण नी ला कून स म पु रं ॥ अष्ट वा दं गि न य
नं व तु वा दं द्वि वा दू कं । दं धा क ना ल व द नं नू य ना ना व सं व
नं ॥ ॐ कृ ङ म स्व ला द व म नि व लु नि ना नू ह । दि न म्ब नं क
मा त्री र्ण व ट् का र्थ म हा व ल ॥ स्व द्वा ङ म नि पा न कृ ॥

स दक्षिण लन तक्षु म नृक्ष कया ल च वन दंष्ट्रु ग नं तथा ॥
अग्नि व लु सभा य न सा न भ य स म न्वि तं । आत्मा ज य त्म संह
६४ स वी न का मान वा य यात् ॥

कनकं तिन कपान कूदनी ददयानि निमीनी न द्रयानि न व्यासय अप्रवि
नि कुरु समय सपया विद्य विरुदह ना ऊयनि वउक नार्थ सिद्धि द्रम
ध्रुका ना ॥ ॥ दशी ॥ ॥ उयिखा न व्याख्या ॥ ॥ वद्व वाल रूटिक प्रद्रमः
कूउ लो स सिंव कू दिव्या कल्प नवम निमयि कि कि नी नूपू नाद्यी ॥ दीपा का
लं विमदवहव नसूप स न न उिर हला क्रा त्या वद कमविर्ग मूल द जीन

आशा अरवि

ASHA ARVIND S

3053.

आशा आर्य कवि

ASHA ARY KAVI

3053.

धनं॥ उद्युक्तं सनिर्गुणं तत्सकाङ्गं नागमृजं स्मितास्य शुक्रदं कपा
लं मरुयं शूलैर्दधानं कने॥ निरञ्जीवद् मृदा नरुचलेन तमिता श्रुते
ल्लङ्घने वन्दुका नूनं वासुसं पदसद्वसदा लावयत्॥ ॥ नक्षत्रः
नं॥ ॥ आर्गुणं निता॥ दृका न॥ तमा उल॥ ॥ आर्गुणं॥ ॥ मूलमूला
॥ यच्च दृष्टं॥ मित॥ ॥ ॐ ह्रीं॥ ग्रन्थ॥ ॐ ह्रीं निष्पायाथन॥ निष्पायाथनः

रुच॥ धिना रुचमहादेवं॥ कूर्तिर्कूर्तिस्त्वाहा॥ ॥ ॐ ह्रीं दमर्घ्यगूहा नखा
र्हा॥ निर्धरां शंभुना यं॥ निर्मात्रं तलविं गगना प्रतय स्वददामहा॥
ॐ ह्रीं॥ स्नानं॥ ॐ ह्रीं वउकाय नमस्त्वाहा॥ ॥ यच्चामृता॥ स्नानं॥ ॥ दधिष्ट
ला मधू॥ किल॥ मीरु॥ मृद॥ यच्चामिरु॥ शोरुच॥ स्नानं॥ पलिकल्प
यमी वउक॥ यस्नानं॥ चर्मर्द्धि कूट॥ ॥ पचास॥ ॥ पंचशूर्गंधाचः

नमः॥ श्रीषट्पद॥ (मेसावली॥ नवेवक॥ सुकस्य॥ समस्त्रिं॥ गृहायदम
हदवसहासिंदन॥ गृहेगा॥ ॥ श्रीं डी वटकाय पं वृष्टिं गं कुरं द्रुतं न
नमः॥ २॥ ॥ अथन॥ ॥ नयं स्वधी॥ ॥ खाना॥ ॥ मानवितक नहं मयूयिका
॥ काचमानानकं न विसकट किं॥ कनिका न गित्री कनिका दिशि पूजा
यामी वटक नवप॥ ॥ वृदना शकतिं पूजा॥ श्रीं डी वटकाय नमः॥ ॥ धूः

५३ नयनी ३० मूलमठ आरुति ३

प. अथ॥ सुगं क॥ ॥ नय॥ मिमिं डाऊकसु कस्य सुगं क॥ उउ नं॥ सः
कुरं द्रु॥ श्रीषट्पद॥ युदमिस्त्रिं गं गृहानय सभाश्वलि॥ ॥ धूपयुखा॥ ॥
पूजा कट गटूखा॥ ॥ ॥ दानपात्रादि पूजयता॥ श्रीं डी गीं श्रीं महागनयन
नमस्वाहा॥ १॥ दक्षिण॥ श्रीं डी डी सु महाकाल रुं नवासे नमस्वाहा॥ २॥
॥ ननसु क पूजयता॥ श्रीं डी अमिहा गं रुं नवान नमः॥ ३॥ ॥ श्रीं डी कुरु

स्वाहा ॥ १ ॥ ॐ कूं उ न रं न वा न न म स्वाहा ॥ २ ॥ ॐ कूं दि गं म न रं न वा न न
 म स्वाहा ॥ ३ ॥ ॐ कूं आ टि रं न वा न न म स्वाहा ॥ ४ ॥ ॐ कूं का ला गि सु
 द रं न वा न न म स्वाहा ॥ ५ ॥ म ध म्य ॥ ॐ कूं व द् का न न म स्वाहा ॥ ६ ॥ य न ४
 अ ह द्र ल यू ज य न ॥ ७ ॥ ॐ कूं कं कं न रं न वा न न म स्वाहा ॥ ८ ॥ ॐ कूं का न
 य म् न रं न वा न न म स्वाहा ॥ ९ ॥ ॐ कूं यिं लो च न रं न वा न न म

स्वाहा ॥ ३ ॥ ॐ क्रीं कृ मू नो च न रुं नवान नम स्वाहा ॥ ४ ॥ ॐ क्रीं कपा न रुं नवाय नम
स्वाहा ॥ ५ ॥ ॐ क्रीं क्री वरुं नवान नम स्वाहा ॥ ६ ॥ ॐ क्रीं महा क न रुं नवान नम
स्वाहा ॥ ७ ॥ ॐ क्रीं क्री नद रुं नवान नम स्वाहा ॥ ८ ॥ मध्यम्या ॥ ॐ क्रीं वदू का
न नम स्वाहा ॥ ९ ॥ पू न ८ म फ वि श्रु ति द स्य पू जया ॥ ॐ क्रीं क म म रुं नवान न
म स्वाहा ॥ १० ॥ ॐ क्रीं क्री का स्य व न रुं नवान नम स्वाहा ॥ ११ ॥ ॐ क्रीं ग र्ग न रुं नवान

[illegible]

गन्तुं नृकाधुत नरुं नव॥ कपानरुं लवना सुवना र्थशीघ्रा संघा नरुं न
व॥ वीसरुं देव न नाशुं सिद्धि वीद्या महेश्व न॥ नमस्क वद ना था य न
मरुं लोक नाशाय क॥ नमस्क स मरुं हृषय वद का न नमी नम॥ ॥ स्वा न क
या ॥ सद्या न मद्रा आय ॥ ॥ ॐ व वी सक न मा ह न रूप वद का य व सि ग
दं नृ दं स्वाहा ॥ ॥ ॐ आश्या यो गि नी सा स्वाहा ॥ ॥ ॐ म स ग न प ल य

सि मु क्त २ स्वाहा ॥ ॥ थ गि व सि ॥ ॥ व सि ॥ वी वा ता ङा या क्ती ॥ न्या स सि
का य ॥ अ वि ल्प का य ॥ ॥ ॐ गि वि म ना व द् क रं न व पू ज्ञा प द्वा ले स मा प
नृ दि वा न ॥ यं च व लि का दि य ॥ दा या म न ॥ स च का र्म ग हा दि फ सः
मो द्वा ल न र्नु नि ॥ सूर्य आ ति स यि आ ति वे द्र शो हि म सं य स्या ॐ क्ती क्ती
दं स शी व द् क रं न वा य आ ति श्व लू पा य नृ दं दी पं आ ति स म य मि न म ॥

॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥

अमृत
ASHA ARCHIVES

3053